विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -१८ -०४ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज द्रव्यवाचक एवं समूहवाचक संज्ञा के बारे में अध्ययन करेंगे ।

द्रव्यवाचक संज्ञा

द्रव्यवाचक संज्ञा की परिभाषा

जो शब्द किसी धातु या द्रव्य का बोध करते हैं, द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे- कोयला, पानी, तेल, घी आदि। या -

जिन संज्ञा-शब्दों से किसी धातु, द्रव्य आदि पदार्थों का बोध हो उन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-घी, तेल, सोना, चाँदी,पीतल, चावल, गेहूँ, कोयला, लोहा आदि। इस प्रकार संज्ञा के पाँच भेद हो गए, किन्तु अनेक विद्वान समुदायवाचक और द्रव्यवाचक संज्ञाओं को जातिवाचक संज्ञा के अंतर्गत ही मानते हैं, और यही उचित भी प्रतीत होता है।

द्रव्यवाचक संज्ञा के उदाहरण

- मेरे पास सोने के आभूषण हैं।
- एक किलो तेल लेकर आओ।
- मुझे दाल पसंद है।
- हमे रोजाना फल खाने चाहिए।
- मुझे पानी पीना है।

समूहवाचक संज्ञा

समूहवाचक संज्ञा की परिभाषा

जिन संज्ञा शब्दों से किसी भी व्यक्ति या वस्तु के समूह का बोध होता है, उन शब्दों को समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- भीड़, पुस्तकालय, झुंड, सेना आदि। या -

जिन संज्ञा शब्दों से व्यक्तियों, वस्तुओं आदि के समूह का बोध हो उन्हें समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-सभा, कक्षा, सेना, भीड़, पुस्तकालय, दल आदि।

समुदायवाचक संज्ञा के उदाहरण

- भारतीय सेना दुनिया की सबसे बड़ी सेना है।
- कल बस स्टैंड पर भीड़ जमा हो गयी।
- मेरे परिवार में चार सदस्य हैं।
- मुझे एक दर्जन केले खरीदने हैं।
- भारतीय सेना विश्व की सबसे बड़ी सेना है।